यूपीईएस में मनाया गया वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे

देहरादून, 26 सितम्बर (स.ह.): यूपीईएस स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ने वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे मनाया।

बिधोली स्थित स्कूल में आयोजत कार्यक्रम का विषय 'फार्मासिस्ट स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करना- अंगदान महादान' रहा। कार्यक्रम में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साथ ही, फार्मास्युटिकल क्षेत्र के महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला गया। छात्रों ने क्विज में भाग लिया और दर्शकों को ऑर्गन, टिश्यू, ब्लड और स्टेमसेल दान के महत्व के बारे में बताया। भारत में नेक्स्ट- जेन हैल्थ केयर सिस्टम के मुद्दे पर एक पैनल डिस्कशन का आयोजन भी किया गया, जिसमें छात्रों के गतिशील प्रदर्शन और तर्कोंके माध्यम से देश में विकसित स्वास्थ्य सेवा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। क्रिएटिव स्टोरी टेलिंग और प्रदर्शनों की मदद से नाटक की प्रस्तुति दी। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि हिमालय वेलनेस कंपनी के अध्यक्ष डॉ. एस फारुक ने कहा कि भारत फार्मास्युटिकल उद्योग में एक प्रमुख स्थान रखता है। वॉल्यूम के मामले में विश्वस्तर पर तीसरे स्थान पर है। हालांकि, जब वैल्यू की बात आती है तो हम वर्तमान में 14वें स्थान पर हैं। शिखर पर पहुंचने के लिए हमारा ध्यान इनोवेशन को बढ़ावा देने पर होना चाहिए। संस्थान की डीन डॉ. पद्मावती वेंकटसुब्रमण्यन ने कहा कि हम कोविड के दौरान और उसके बाद फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका को गहराई से महत्व देते हैं। खासकर ग्रामीण भारत में जहां वे प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के रूप में कार्य करते हैं। डॉक्टर, ग्रामीण, बीमारियों और दवाओं के बारे में उनका व्यापक ज्ञान महत्वपूर्ण है। आज आप जो सीखेंगे उसका भविष्य में स्थायी प्रभाव पड़ेगा। इस दौरान ऑर्गनया स्टेम सेल दान फॉर्म वितरित करने के लिए ओजोन (यूपीईएस की स्टूडेंट सोसाइटी) और धात्री(एनजीओ) द्वारा बूथ स्थापित किए गए थे।